हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 40 देहरादून, सोमवार, 31 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

जावेद हबीब सैलून एंड एकेडमी के उद्घाटन में लगा ग्लैमर की हस्तियों का जमावड़ा 8

सीएम धामी ने किया मुख्य सेवक सदन में स्वनिधि परिवार के लाभार्थियों के साथ संवाद

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में स्वनिधि परिवार के लाभार्थियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वनिधि के लाभार्थियों एवं स्वनिधि के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले बैंकर्स एवं अन्य लोगों को सम्मानित भी किया। स्वनिधि के लाभार्थियों को कुल 09 प्रतिशत ब्याज पर अनुदान केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 7 प्रतिशत एवं राज्य सरकार द्वारा 02 प्रतिशत का ब्याज पर अनुदान दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को 09 प्रतिशत अनुदान मिलने के बाद जो 3 से 4 प्रतिशत ब्याज देना पड़ता है, आने वाले समय में यह भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने शहरों और कस्बों में वित्तीय समावेशन और डिजिटल साक्षरता की एक नई लहर चलाई है। जिससे रेहड़ी-पटरी व फेरी वालों के जीवन को गरिमा और स्थायित्व मिला है। स्ट्रीट वेंडर्स के बीच स्वरोजगार, स्वावलंबन, स्वाभिमान और आत्मविश्वास बहाल करने के उद्देश्य से यह योजना लाई गयी। पहले गरीब आदमी बैंक के भीतर जाने की भी नहीं सोच सकता था। लेकिन आज बैंक वाले खुद आपके पास आ रहे हैं और आपको लोन भी दे रहे हैं यही सम्मान है, स्वावलंबन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज गरीब बैंक से लोन भी ले रहे हैं और ईमानदारी से इसे चुका भी रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की समस्त नगरीय निकायों में 01 जुलाई, 2020 से प्रारम्भ पी0एम0स्वनिधि योजना के तहत प्रदेश में 31 हजार से अधिक फेरी व्यवसायियों द्वारा ऑनलाईन पोर्टल में ऋण हेतु आवेदन किया गया। प्रथम चरण में 16 हजार से अधिक प्रति आवेदक को रू0 10 हजार का ऋण, द्वितीय चरण में लगभग 6 हजार प्रति आवेदक को रू0 20 हजार का ऋण एवं तृतीय चरण में लगभग 600 प्रति आवेदक को रू0 50 हजार का ऋण स्वीकृत किया गया है। अभी तक इस योजना के तीनों चरणों में 22 हजार से अधिक फेरी व्यवसायियों को 31 करोड़ रूपये का ऋण वितरित हो चुका है। 'मैं भी डिजीटल' अभियान के तहत लगभग 16 हजार फेरी व्यवसायियों को बैंकों के माध्यम से क्यू0आर0 कोड उपलब्ध कराते हुए डिजीटल लेन-देन को बढ़ावा दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्वनिधि से समृद्धि' योजना के अन्तर्गत पी0एम0स्वनिधि के लाभार्थियों एवं उनके परिजनों को केन्द्र सरकार की 08 कल्याणकारी योजनाओं वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा, मातृ-वन्दन, सुरक्षा बीमा, जनधन, जीवन-ज्योति बीमा, श्रम-योगी मानधन योजना एवं भवन निर्माण श्रमिकों हेतु पंजीकरण जैसी पी0एम0 योजना से प्रदेश के 11 नगरीय निकायों के लगभग 17 हजार पात्र फेरी व्यवसायियों एवं उनके परिजनों को लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत प्रदेश से बाहर के लगभग 7 हजार लोग लाभान्वित हो रहे हैं, जननी सुरक्षा योजना के तहत गत वर्ष 73 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित कर कुल 9 करोड़ 64 लाख रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके खतों में जमा किये गए हैं तथा संबंधित आशाओं को प्रोत्साहन मद में कुल 3 करोड़ 13 लाख रुपये दिए गए। मातृ-वन्दन योजना के तहत प्रदेश के 6 लाख से अधिक माताओं को लाभान्वित किया गया है। पी.एम. श्रम-योगी मानधन योजना के तहत प्रदेश के 39 हजार लोगों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन निर्माण श्रमिकों हेतु पंजीकरण के तहत प्रदेश के साढ़े चार लाख (4.50 लाख) से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं। पी0एम0 सुरक्षा बीमा योजना के तहत प्रदेश के 30 लाख से अधिक लोगों को आच्छादित किया गया है। पी.एम. जन-धन योजना के तहत प्रदेश में 34 लाख से अधिक जन-धन खाते खोले गये हैं। पी.एम. जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत प्रदेश के 8 लाख से अधिक लोगों को आच्छादित किया गया है।

इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक अरविन्द पाण्डेय, विधायक अनिल नौटियाल, भूपाल राम टम्टा, सुरेश गडिया, मोहन सिंह मेहरा, प्रमोद नैनवाल, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, निदेशक शहरी विकास नवनीत पाण्डेय एवं पी.एम स्वनिधि के लाभार्थी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी ने सुना पी.एम. स्वनिधि परिवार संग प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के 103वां संस्करण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में पी.एम. स्वनिधि परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात के 103 वें संस्करण को सुना।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात में कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की कुछ माताओं और बहनों ने जो पत्र उन्हें लिखे हैं, वो भावुक कर देने वाले हैं। उन्होंने अपने बेटे को, अपने भाई को, खूब सारा आशीर्वाद दिया है। उन्होंने लिखा है कि -'उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर रहा 'भोजपत्र', उनकी आजीविका का साधन, बन सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें यह पत्र चमोली जिले की नीती-माणा घाटी की महिलाओं ने लिखा है। ये वो महिलाएं हैं, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में उन्हें भोजपत्र पर एक अनूठी कलाकृति भेंट की थी। यह उपहार पाकर वे बहुत अभिभूत हो गये। हमारे यहाँ प्राचीन काल से हमारे शास्त्र और ग्रंथ, इन्हीं भोजपत्रों पर सहेजे जाते रहे हैं। महाभारत भी इसी भोजपत्र पर लिखा गया था। आज, देवभूमि की ये महिलाएं, इस भोजपत्र से, बेहद ही सुंदर-सुंदर कलाकृतियाँ और स्मृति चिन्ह बना रही हैं। माणा गांव की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने उनके इस अभिनव प्रयास की सराहना की थी। उन्होंने देवभूमि आने वाले पर्यटकों से अपील की थी, कि वो, यात्रा के दौरान ज्यादा से ज्यादा स्थानीय उत्पाद खरीदें। इसका बहुत असर हुआ है। आज, भोजपत्र के उत्पादों को यहाँ आने वाले तीर्थयात्री काफी पसंद कर रहे हैं और इसे अच्छे दामों पर खरीद भी रहे हैं। भोजपत्र की यह प्राचीन विरासत, उत्तराखंड की महिलाओं के जीवन में खुशहाली के नए-नए रंग भर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर भी खुशी हुई है कि भोजपत्र से नए-नए उत्पाद बनाने के लिए राज्य सरकार, महिलाओं को प्रशिक्षण भी दे रही है। राज्य सरकार ने भोजपत्र की दुर्लभ प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए भी अभियान शुरू किया है। जिन क्षेत्रों को कभी देश का आखिरी छोर माना गया था, उन्हें अब, देश का प्रथम गाँव मानकर विकास हो रहा है। ये प्रयास अपनी परंपरा और संस्कृति को संजोने के साथ आर्थिक तरक्की का भी जरिया बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने के लिए लोगों को प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग की अच्छी व्यवस्थाओं के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण भी दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले साल अक्टूबर में माणा से देशभर के श्रद्धालुओं से अपील की थी कि अपनी धार्मिक यात्रा का 05 प्रतिशत खर्चा स्थानीय उत्पादों पर जरूर करें। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों की आजीविका में तेजी से वृद्धि हो रही है और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही सरकारः रावत

देहरादून। प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। यह बात रविवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में उत्तराखंड की नौनी गाने को लॉंच करने के दौरान बतौर मुख्य अतिथि शिक्षा एवं चिकित्सा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कही।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कोरोना वॉरियर्स को रोजगार देने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। विधायक राजपुर रोड खजानदास ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि हमारे राज्य की नौनियां आज हर पटल पर अपना नाम रोशन कर रही हैं। भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी ने कहा कि इस मंच के माध्यम से महिलाओं को संगठित होने का मौका मिला है।

इस दौरान आयोजक नलिनी गोसाईं, मंच संचालन कर रही हेमलता नैथानी, उमा संस्था की अध्यक्ष साधना शर्मा, गीत के लेखक जसपाल राणा, म्यूजिक देने वाले अमित वी कपूर, डायरेक्टर विनय चानना, सिंगर अभिलाषा सती, मीरा आदि मौजूद थे।

वाह क्या बात है, इस किसान के पास है खुद की ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 31 जुलाई : लुधियाना के संपूर्ण सिंह भारत के इकलौते ऐसे नागरिक हैं जो एक ट्रेन के मालिक हैं. एक दिन वो अचानक दिल्ली से अमृतसर जाने वाली ट्रेन, स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के मालिक बन गए जिसके बाद वो सुर्खियों में भी आ गए , जानिए आखिर ये चमत्कार कैसे मुमकिन हुआ ।

एक दौर था जब जब राजा-महाराजाओं के पास हाथी-घोड़े, पालकियां और सुविधाओं से जुड़े हर साधन हुआ करते थे. जब वक्त बदला, पूंजीवाद ने दुनिया में दस्तक दी, तब करोड़पति और अरबपति लोग ऐसी सुख सुविधाएं उठाने लगे. उनके पास अपने प्राइवेट जेट आ गए. भारत में भी कुछ लोग ऐसे हैं जिनके पास प्राइवेट प्लेन और करोड़ों की कारें हैं, पर क्या आपने भारत में किसी के पास प्राइवेट ट्रेन होते सुना है ,

साभार : सो.मी.

ऐसा नहीं सुना होगा क्योंकि भारत में रेलवे भारत सरकार के अधीन है, वो सरकारी संपत्ति है. पर एक व्यक्ति ऐसा जरूर है, जो इकलौता भारतीय है, जिसके पास एक ट्रेन है. वो रेलवे की एक बड़ी गलती की वजह से ट्रेन का मालिक बन गया और अब घर बैठे उस ट्रेन से होने वाली कमाई का हिस्सा लेता है.

हम जिस व्यक्ति की बात कर रहे हैं, उसका नाम संपूर्ण सिंह है और वो लुधियाना के कटाणा गांव के रहने वाले हैं. एक दिन वो अचानक दिल्ली से अमृतसर जाने वाली ट्रेन, स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के मालिक बन गए । हुआ यूं कि लुधियाना-चंडीगढ़ रेल लाइन के बनने के वक्त साल 2007 में रेलवे ने किसानों की जमीन को खरीदा था.। उस वक्त जमीन को 25 लाख रुपये प्रति एकड़ में अधिग्रहित किया गया था. पर मामला तब फंसा जब उतनी ही बड़ी जमीन नजदीक के गांव में 71 लाख रुपये प्रति एकड़ में अधिग्रहित की गई थी. ये बात संपूर्ण सिंह को समझ नहीं आई कि आखिर ऐसा क्यों किया गया.

इस बात से संपूर्ण सिंह आहत हुए और शिकायत लेकर कोर्ट पहुंच गए. कोर्ट ने जो पहला आदेश दिया उसमें मुआवजे की रकम 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी पर फिर उसे भी बढ़ाकर 1.47 करोड़ रुपये से ज्यादा कर दी. पहली याचिका 2012 में दायर की गई थी. कोर्ट ने 2015 तक उत्तरी रेलवे को भुगतान करने का आदेश दिया था. रेलवे ने सिर्फ 42 लाख रुपये दिये, जबकि 1.05 करोड़ रुपये नहीं चुकाया. इतने बड़े रुपये का भुगतान करने में रेलवे असमर्थ रही ।

रेलवे ने कोर्ट के आदेश को नहीं माना, जिसके बाद अदालत ने कुर्की के आदेश दिया और संपूर्ण सिंह ट्रेन संख्या 12030 के मालिक बन गए। हालांकि रेलवे के सेक्शन इंजीनियर ने अदालत से इस ट्रेन को मुक्त करवाया लिया। ट्रेन कुर्क होने पर सैकड़ों यात्रियों को परेशानी होती। रिपोर्ट के मुताबिक आज भी ये मामला कोर्ट में चल रहा है। इस केस की अभी भी सुनवाई हो रही है।

उत्तराखंड की इन खूबसूरत लोकेशन में हुई थी सुपरहिट फिल्म विवाह की शूटिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 31 जुलाई : 'जल लीजिए थक गए होंगे' कुछ याद आया। फिल्म 'विवाह' का ये डायलॉग वायरल मीम बन चुका है। ये फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर और अमृता राव के अभिनय के अलावा एक और चीज के लिए मशहूर है वो है फिल्म में दिखी खूबसूरत लोकेशंस। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की वादियों में हुई है। इसे कुमाऊं के नैनीताल और अल्मोड़ा जिले में फिल्माया गया है। आज हम आपको उन जगहों के बारे में बताएंगे, जहां विवाह फिल्म की शूटिंग हुई थी।

साभार : सो.मी.

फिल्म में मुख्य अभिनेत्री पूनम का पैतृक घर नजर आ रहा भवन, नैनीताल का प्रेमा जगाती स्कूल है। इसी तरह जिस मानसरोवर को पूनम का गांव दिखाया गया है, उसकी शूटिंग नैनीताल की नैनी झील के आसपास हुई है। सबसे खास बात तो यह है कि फिल्म में पूनम और प्रेम का परिवार जिस मंदिर में पूजा करने जाता है, वह मंदिर नैनीताल में स्थित घोड़ाखाल गोलू देवता का प्रसिद्ध मंदिर है।

फिल्म का गाना 'मिलन अभी आधा अधूरा है' बहुत मशहूर हुआ है, और इस गाने की शूटिंग विश्व प्रसिद्ध अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में हुई है। सुबह की सैर के जो नजारे फिल्म में नजर आते हैं, वो रानीखेत का खूबसूरत दृश्य है। 'विवाह' फिल्म साल 2006 में रिलीज हुई थी। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म लोगों को इस कदर भायी कि उस वक्त हर जुबां पर 'विवाह' फिल्म का नाम रहता था। फिल्म के गीतों के साथ ही शानदार नजारों ने दर्शकों का मन मोहा था, जिससे नैनीताल और अल्मोड़ा जिले को खासी पहचान मिली थी। शाहिद कपूर की पॉपुलैरिटी का सफर यहीं से शुरू हुआ। उनकी फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्में भी उत्तराखंड में शूट हुई हैं।

मां ने बेटी को 100 मर्दों संग डेट करने को कहा, बेहद हैरान करने वाली है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 31 जुलाई : आज के दौर में शादी करना और फिर उसे निभाना सबके बस की बात नहीं रही. वो दौर बीते जमाने की बात हो गई जब पिता अपनी पसंद से बेटी का हाथ किसी लड़के के हाथ में दे देता था. लड़की की मर्जी के बिना ही उसकी शादी कर दी जाती थी. गौर करने वाली बात यह है कि पुराने दौर के ये रिश्ते जीवन पर्यंत चलते थे. लेकिन अब लड़का और लड़की एक-दूसरे को समझने के बाद ही शादी का फैसला लेते हैं. इससे जुड़ा चौंका देने वाला मामला ब्रिटेन में सामने आया है. जहां एक मां ने अपनी बेटी को 100 मर्दों के साथ डेट करने की इजाजत दे दी.

मां के इस प्रस्ताव से बेटी भी अचंभित थी. आइये आपको बताते हैं इस हैरान कर देने वाले मामले के बारे में. ब्रिटेन में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है. 100 मर्दों के साथ डेट करने का खुलासा लड़की की बहन ने किया है. लड़की की बहन ने बताया कि उसने 100 मर्दों के साथ एक साल के अंदर डेट की.

इसके लिए उसकी मां ने उसे 500 डॉलर दिए थे जो कि भारतीय करंसी में लगभग 41 हजार रुपये होता है. इतनी राशि देने के बाद मां ने बेटी से यह भी कहा कि जब पैसा खत्म हो जाए तो बता देना लेकिन 100 मर्दों के साथ डेट पूरी कर के ही घर लौटना. लड़की की बहन एलिस कैरोलिन ने इस खुलासे के साथ टिक टॉक पर वीडियो शेयर किया था . उस वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है.उस वीडियो में देखा जा सकता है कि 100 मर्दों के साथ डेटिंग करने के बाद लड़की और उसकी बहन एलिस ने इसे सेलिब्रेट किया.

एलिस ने वीडियो में उन मर्दों के नामों की लिस्ट भी शेयर की है जिन मर्दों के साथ उसकी बहन ने डेट किया. अब आपको बताते हैं ये मां क्यों चाहती थी कि उसकी बेटी 100 मर्दों के साथ डेट करे. रिपोर्ट्स की मानें तो मां यह नहीं चाहती थी कि शादी के बाद उसकी बेटी के मन में मर्दों को लेकर कोई घबराहट रहे.

क्यों चढ़ती है हाथों और पैरों में झुनझुनी ? जानिए इलाज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 जुलाई , क्या आप जानते हैं की झुनझुनी क्यों चढ़ती है ? झुनझुनी क्यों होता है ? पैर में झुनझुनी का घरेलू उपचार? क्या आप इस तरह के प्रश्न से जूझ रहे हैं? अगर हां, तो इस लेख में आपको आपके इस प्रश्न के जवाब मिल जाएंगे। अक्सर हम में से कई लोगों को सोते या फिर लगातार एक ही पोजीशन में बैठते समय हाथ-पैरों में झुनझुनी होने लगती है। ऐसी स्थिति में हमें समझ नहीं आता है कि आखिर बार-बार इस तरह की परेशानी क्यों हो रही है? अगर आपको भी ऐसा लग रहा है, तो परेशान न हों चलिए जानते हैं इसके क्या है निदान -

झुनझुनी होने के कारण और घरेलू उपचार

यदि आपको अक्सर हाथ-पैरों में

साभार : सो.मी.

झुनझुनी की परेशानी रहती है, तो इसका मुख्य कारण तंत्रिका तंत्र में क्षति हो सकती है। इसके कारण काफी दर्दनाक स्थिति पैदा हो सकती है। हांलाकि इसके अलावा जीवाणु या वायरल संक्रमण, शरीर में विषाक्त पदार्थों का बढ़ना, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, विटामिन बी12 की कमी इत्यादि हो सकते हैं।

हाथ-पैरों में झनझनाहट की समस्या महसूस होने पर आप नियमित रूप से मालिश कर सकते हैं। क्योंकि मालिश करने से शरीर को सुडौल बनाया जा सकता है। साथ ही इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, मालिश के लिए आप सरसों, ऑलिव ऑयल, नारियल तेल इत्यादि तेलों का इस्तेमाल कर सकते हैं।मांसपेशियों को आराम दिलाकर झनझनाहट की परेशानी को कम करने में सेंधा नमक फायदेमंद हो सकता है। इसमें सूजनरोधी गुण होता है, जिससे झनझनाहट की परेशानी कम होती है।

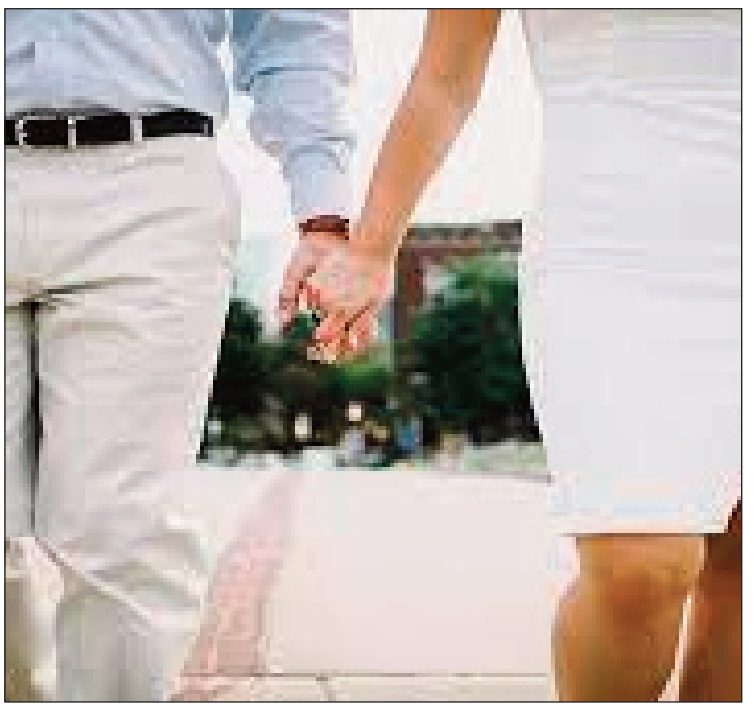

स्मार्ट सिटी देहरादून की समस्या का हल नहीं खोज पा रही सरकार : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 31 जुलाई , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि , मानसून के पहले चरण में हुई बरबादी ने सिद्ध कर दिया है कि सरकार आपदा प्रबंधन में पूरी तरह असफल है। उन्होंने कहा कि , पहली बारिश में देहरादून सहित मैदानी जिलों का जल भराव हो या पहाड़ी जिले चमोली में बिजली के करंट की मानव जनित आपदा से 16 निरीह लोगों की मौत हर घटना में सरकार की घनघोर लापरवाही और कर्तव्यहीनता उजागर हुई है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आपदा को लेकर सरकार की संवेदनशीलता इस बात से परखी जा सकती है कि , राज्य आपदा प्रबंधन समिति की बैठक लगभग एक साल से नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि , राज्य स्तर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य आपदा प्रबंधन समिति ही आपदा प्रबंधन और आपदा के समय समन्वय और नीतिगत निर्णयों के लिए जिम्मेदार होती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , विधानसभा अध्यक्ष के कोटद्वार के मालन पुल से संबंधित वायरल वीडियो ने सिद्ध किया है कि , आपदा में भी राज्य की विधानसभा की अध्यक्ष को एक बेपरवाह नौकरशाह के सामने मदद के लिए गुहार लगानी पड़ रही है । इससे कोई भी जान सकता है कि इस राज्य में अन्य जान प्रतिनिधियों और आम लोगों की क्या हालत होगी।

उन्होंने कहा कि , हाल की आपदा के बाद मुख्यमंत्री को बाकायदा आदेश जारी कर जिलों के प्रभारी मंत्रियों को उन जिलों में भेजना पड़ा जंहा के वे प्रभारी मंत्री हैं। प्रभारी मंत्री भी अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में ₹आपदा प्रबंधन₹ के बजाय ₹आपदा पर्यटन₹ की औपचारिकता पूरी करके वापस राजधानी आ गए हैं। यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि , मानसून की पहली बारिश में मेट्रो शहर देहरादून की पोल पूरी तरह खुल गयी थी , सारा शहर तालाबों में बदल गया था। उन्होंने कहा कि जो सरकार घोषित स्मार्ट सिटी राजधानी देहरादून के जल भराव की समस्या का हल नही खोज पा रही है उससे बाकी राज्य में राहत की क्या आशा करें।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि , मैदानी जिला हरिद्वार हाल की बारिश में पूरी तरह डूब गया था यही हाल उधम सिंह नगर का भी था । इन मैदानी जिलों में किसानों की फसलें तबाह हो गयी हैं। उन्होंने कहा कि मैदानों की तरह पर्वतीय जिलों की हालत भी चिंताजनक हैं। चमोली में करेंट से 16 लोगों की मौत को नेता प्रतिपक्ष ने लापरवाही के कारण हुई मौतें बताते हुए कहा कि अगर प्रशासन सजग होता तो ये लोग बचाए जा सकते थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , हाल के दिनों में आपदा के पूर्वानुमान , समय पर बचाव , राहत और पुनर्वास इन सभी मामलों में सरकार असफल दिखी है । उन्होंने कहा इस सरकार से इस साल की आपदा में हुए नुकसान की भरपाई करना बेकार है जब अभी तक पिछले साल पानी भरने से बरबाद हुई किसानों की फसलों का मुआवजा नही मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि, बीमा कंपनियां किसानों से फसलों का प्रीमियम तो वसूल कर रही हैं पर आपदा मेंफसलों के बरबाद होने पर क्षति पूर्वक मुआवजा नही दे रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , यही हाल पहाड़ी जिलों के हैं वँहा सेब , टमाटर आदि फसलें आपदा मके कारण बाजार न् आने पर खेतों ही में सड़ रही हैं । उन्होंने कहा कि , जगह-जगह भू-धंसाव , पानी घुसने के कारण पेयजल लाइनों ,आवासीय मकानों , मुख्य सड़कों तथा सम्पर्क मार्गों को भारी नुक़सान हुआ है। बिना अंतरविभागीय समन्वय और केंद्र की सहायता के इन सभी अवस्थापनाओं को पुनर्स्थापित करना असंभव है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को चेताते हुए कहा कि, अभी भी भारी बरसात का समय बाकी है इसलिए संभावित आपदाओं में प्रभावी प्रबंधन और समन्वय के लिए मुख्यमंत्री को जल्दी से जल्दी राज्य आपदा प्रबंधन समिति की बैठक बुलानी चाहिए और जिन जिलों में जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक नही हुई है वँहा भी संभावित आपदाओं में बेहतर समन्वय के लिए जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित करनी चाहिए।

पीसीसी अध्यक्ष करन माहरा ने सांसद नरेश बंसल के बहाने भाजपा को घेरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 31 जुलाई , उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा ने उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा राज्यसभा में दिए गए प्रस्ताव में भारतीय संविधान में इंडिया शब्द को हटाने को लेकर दिया गया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। माहरा ने कहा की 18 जुलाई को कर्नाटक में हुई विपक्षी दलों की बैठक और विपक्षी एकता को 'I.N.D.I.A' नाम दिए जाने से भाजपा बुरी तरह घबराई और बौखलाई हुई है, यह भाजपा आरएसएस की सोची समझी रणनीति के तहत दिया गया बयान है, इस विचारधारा ने कभी भी भारतीय संविधान का सम्मान नहीं किया, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ने देश को एक अतुलनीय अभूतपूर्व संविधान दिया जिसकी पूरे विश्व में मिसाल दी जाती है।

जिस I.N.D.I.A शब्द से भाजपाई असहज हैं उन्होंने ही बीते सालों में भारत सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, खेलो इंडिया डिजिटल इंडिया शाइनिंग इंडिया जैसे कई अभियान और योजनाएं शुरु की हैं और खुद को BJP4india लिखते हैं यही भाजपा का दोहरा चरित्र है। भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस संविधान को नष्ट करने का सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। भारत का संविधान किसी जाति, धर्म, वर्ग विशेष का नहीं है यह भारत देश की 140 करोड़ जनता का संविधान है यह भारत का पवित्र ग्रंथ है जो हमें एकरूपता और अपने पूर्ण अधिकार प्रदान करता है।

माहरा ने कहा कि यह भारत की आत्मा है और हम जीते जी इस संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। इस लड़ाई में भारतीय संविधान में विश्वास रखने वाले समस्त देशवासियों, सभी राजनीतिक दलों एवं समाजसेवी संस्थाओं को आगे आकर ऐसी विचारधारा से लड़ना होगा, माहरा ने कहा की जिनकी राजनीति केवल विभाजनकारी नीतियों और समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करती है, हमें मिलकर संविधान की रक्षा करनी होगी।

माहरा ने कहा की जब जब इस देश में भाजपा सरकार आई है आमजन की स्वतंत्रता धीरे-धीरे खत्म की जा रही है, आज संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और लगातार जनता को अपनी विचारधारा के दबाव में कार्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है यदि कोई सरकार के खिलाफ लिखता है, बोलता है तो उसके खिलाफ संवैधानिक संस्थाओं जैसे ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई व अन्य एजेंसियों द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। माहरा ने कहा की डॉ आंबेडकर ने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है, लेकिन जब चुनाव आते हैं तभी भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को संविधान के साथ बाबासाहेब की याद आती है।

खुशखबरी : उत्तराखंड में जल्द होने जा रही है 1500 कांस्टेबल की भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 31 जुलाई : उत्तराखंड पुलिस विभाग में कांस्टेबल भर्ती का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है। जल्द ही पुलिस कांस्टेबल के 1500 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इसके लिए पुलिस विभाग की ओर से राज्य लोक सेवा आयोग को अधियाचन भेजा जा रहा है। पुलिस विभाग में कुछ समय पहले सहायक सब इंस्पेक्टर के नए पद सृजित हुए हैं। तब 1700 हेड कांस्टेबलों की पदोन्नति करते हुए इन्हें एएसआई बनाया।

हेड कांस्टेबल की पदोन्नति से रिक्त पदों पर कांस्टेबल पदोन्नत किए गए। अब विभाग में कांस्टेबल के लगभग 1550 पद रिक्त चल रहे हैं। इन पदों को भरने की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुछ समय पहले एक कार्यक्रम में घोषणा की थी। इस क्रम में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक कर पदों को भरने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुए इसका अध्यापन लोक सेवा आयोग को भेजने के निर्देश दिए हैं।

ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्दी इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी कॉन्स्टेबल भर्ती जल्द से जल्द इसलिए भी होगी क्योंकि इस समय प्रदेश की लगभग सभी पुलिस चौकियों में कॉन्स्टेबल्स की भारी कमी है और अन्य प्रदेश कर्मचारियों पर वर्क लोड बढ़ गया है। इससे रात्रि गश्त में भी दिक्कत हो रही है। वहीं प्रदेश में इस समय वर्षा काल के कारण जगह-जगह पुलिस को राहत व बचाव कार्यों में भी जूझना पड़ रहा है। इसे देखते हुए शासन अब Uttarakhand Constable Recruitment कर पदों को भरने में जुट गया है।

बेजुबानों के रक्षक बने मंत्री सौरभ बहुगुणा ने जीता देवभूमि का दिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 31 जुलाई , शानदार योजना है हमारे युवा मंत्री बहुगुणा जी की ..... हम पेट लवर्स को तो एम्बुलेंस के रूप में संजीवनी मिल गयी .... बड़ी राहत मिली अनिमल एम्बुलेंस फेसिलिटी होने से थैंक्स टू मिनिस्टर सौरभ ... ऐसी योजना से ही मंत्री की पॉजिटिव सोच का पता चलता है .... ये कुछ पशुपालकों की वो प्रतिक्रिया है जो हमने जानी फ्री एनिमल एम्बुलेंस को लेकर .... दरअसल actually उत्तराखंड सरकार के पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा की एक सोच और एक मानवीय पहल ने आज उन्हें लाखों पशुपालकों और पशु प्रेमियों का हीरो बना दिया है।

जनता बोली पशुओं की फ़िक्र करने वाले मंत्री है असली हीरो

इसमें कोई दो राय नहीं कि जान इंसान की हो या बेजुबान की उसको बचाने वाला भगवान से कम नहीं होता है। ऐसा ही एक नेक काम देवभूमि में हो रहा है जिसके पीछे है मंत्री सौरभ बहुगुणा की संवेदनशील पहल ---- क्योंकि इंसान तो इंसान अब पशुओं और आवारा जानवरों की जान बचाना बेहद आसान हो गया है और ये संभव हुआ है डायल 1962 की फ्री एनिमल एम्बुलेंस सेवा से ..आज पिथौरागढ़ , अल्मोड़ा से लेकर हरिद्वार और देहरादून तक पशुपालकों के बीच सिर्फ एक ही नाम सुर्ख़ियों में है और वो हैं प्रदेश के युवा कैबिनेट मंत्री बहुगुणा का जिन्होंने संवेदना और संकल्प को साकार करते हुए बनाया है योजना को कामयाब

देश में अपनी तरह का एक नया उदहारण स्थापित करते हुए मंत्री बहुगुणा ने प्रदेश के घरेलू और आवारा पशुओं को लेकर जब फ्री एम्बुलेंस सेवा 1962 को पहाड़ों में उतारा तो विभाग के अधिकारीयों को भी अंदाज़ा नहीं रहा होगा कि चंद दिनों में ही ये सेवा रफ़्तार भरेगी और हज़ारों लाचार जानवरों के लिए वो संजीवनी बन जाएगी।

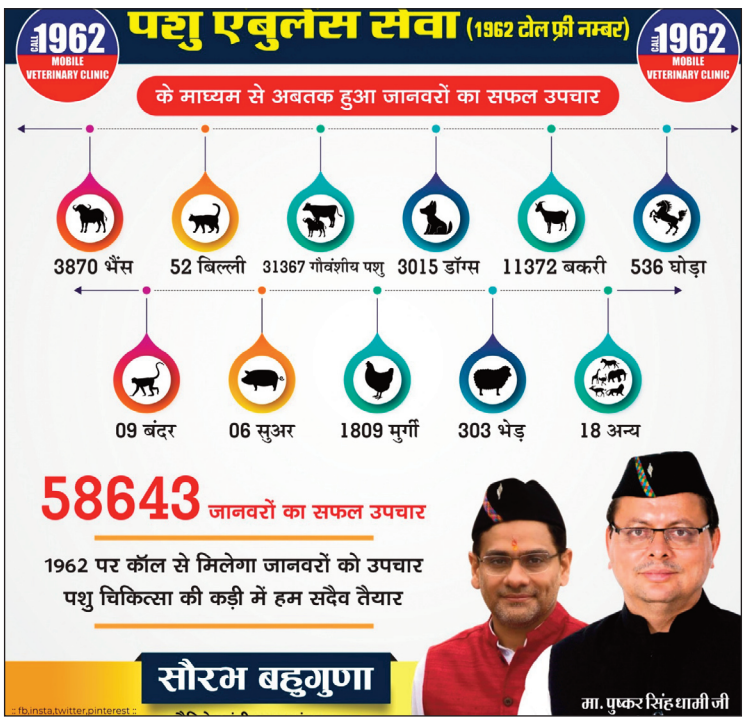

इस सुविधा के चलते शर हो या ग्रामीण अंचल , हर प्रकार के जानवरों , गोवंशीय, घोड़े और खच्चरों के जख्मी होने और तबियत खराब होने पर मदद पहुंचायी जा रही है। खासतौर सुविधा दूर के गांव के इलाको में अब राहत देने वाली साबित हो रही है क्योंकि दूर के क्षेत्रो में पशुओ को अस्पताल पहुंचाने में समस्या होती थी जिससे अब एक इस तेज़ मेडिकल रिलीफ दे रही एम्बुलेंस से राहत मिल रही है। देखिये इस ग्राफ़िक्स में पशुओं के इलाज़ से जुड़े आंकड़े ---

मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया की आज डायल 1962 प्रदेश में पशुपालकों के लिए वरदान साबित हो रही है "अगर आप पशुपालक हैं और आपके पशु की तबीयत खराब होती है या अन्य कोई समस्या आती है, तो आप अब अपने घर तक Free Animal Ambulance बुला सकते हैं। बस आपको एंबुलेंस नंबर 1962 पर कॉल करना होगा और अपनी समस्या रजिस्टर करानी होगी। जिसके बाद आपके घर एंबुलेंस पहुंच जाएगी और आपको पूरी मदद दी जाएगी। साथ ही डॉक्टर द्वारा घर आकर उपचार भी किया जाएगा।"

मंत्री बहुगुणा बताते हैं कि, "इस एंबुलेंस में तीन स्टॉफ को तैनात किया गया है । जिसमें एक डॉक्टर, हेल्पर और ड्राइवर मौजूद रहते हैं । इस सुविधा से प्रदेश में लाखों पशुपालकों के साथ साथ सड़कों पर बिना इलाज़ तड़पने वाले आवारा पशुओं को भी अब तत्काल इलाज़ देकर उन्हें नया जीवन दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होने बताया कि, विभाग और सरकार का यह उद्देश्य है कि पशुपालक अपने पशुओं की देखरेख कर सकें और समय से उनको Free Animal Ambulance से उपचार भी मिल सके. इसलिए पशुपालक इस सुविधा का लाभ लें। इस शानदार योजना के लिए युवा मंत्री सौरभ बहुगुणा को बधाई

उत्तराखंड की बेटियों के पास होमगार्ड बनने का सुनहरा मौका, 1 सितंबर से 10 जिलों में भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 31 जुलाई : होमगार्ड भर्ती का इंतजार कर रही बेटियां ध्यान दें। भर्ती का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। राज्य के विभिन्न जनपदों में 1 सितंबर से महिला होमगार्ड और 10 प्लाटून कमांडरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से 320 पदों को भरा जाएगा। इस तरह प्रदेश की 320 बेटियों के पास जॉब हासिल करने का मौका होगा। ये जानकारी कमांडेंट जनरल होमगार्ड केवल खुराना ने दी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने होमगार्ड स्थापना दिवस के अवसर पर महिला होमगार्ड भर्ती की घोषणा की थी। अब शासन ने इसकी मंजूरी भी दे दी है। उत्तराखंड के 10 जिलों में पहली बार होमगार्ड की महिला प्लाटून की भर्ती की जाएगी। पहले चरण में टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी, चमोली, बागेश्वर और ऊधमसिंहनगर जिले में भर्ती होगी, जबकि दूसरे चरण में चंपावत, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में भर्ती का आयोजन होगा। आगामी 3 अगस्त को भर्ती की विज्ञप्ति जारी होगी। 1 सितंबर से प्रथम चरण वाले जिलों में शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

यह परीक्षा 30 अंकों की होगी। इस प्रकार कुल परीक्षा 60 अंकों की होगी। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 6500 होमगार्ड विभिन्न सरकारी कार्यालयों के साथ ही पुलिस के काम में सहयोग दे रहे हैं। इनमें पुरुष व महिला होमगार्ड दोनों ही शामिल हैं। अब महिला होमगार्ड के खाली पदों को भरने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

बेनीताल महोत्सव नौ अगस्त से

चमोली। प्रस्तावित एस्ट्रोविलेज बेनीताल में आयोजित होने वाले दो दिवसीय शहीद स्मृति मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रविवार को मेला समिति स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित मेला आयोजन की रणनीति पर चर्चा की। साथ ही कहा कि मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं के जागरूकता कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जाएगा। मेला समिति के अध्यक्ष मगन सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कहा गया कि आयोजन के लिए विधायक अनिल नौटियाल से वार्ता की जा चुकी है। वहीं सुरक्षा के लिए पुलिस और सडक़ के लिए लोनिवि को अवगत करा दिया गया है। बताया कि मेले में हंस फाउंडेशन स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। वहीं सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए जाने की मांग प्रशासन से की गई है। मेले में लगने वाली दुकानों का पंजीकरण करवाया जायेगा, अवैध शराब की बिक्री को रोकने की मांग भी प्रशासन से की गई है। निर्णय लिया गया कि मेला क्षेत्र की साफ सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष यशपाल कठैत, कोषाध्यक्ष राकेश सिंह कोटियाल, देवेन्द्र सिंह चौहान, पालेश्वर सिंह नेगी, जगदीश सिंह, प्रदीप कठैत, भारती देवी, सीमा देवी, पूनम देवी, पुष्पा देवी, नन्दा देवी, कविता देवी, विमला देवी, पार्वती देवी, मंजू देवी, जयंती देवी, राजमती देवी, वन्दना देवी, स्यामा देवी, सुशीला देवी, लीला देवी, विमला देवी, ललिता देवी, ऋचा देवी, प्रिया देवी, अनिल गुसाईं, सुधीर मिंया, पद्म सिंह नेगी, बहादुर सिंह, विनोद सिंह, प्रधान दीप चंद, खीम सिंह, दीपा देवी आदि उपस्थित थे, संचालन समिति के सचिव बीरेंद्र सिंह मिंगवाल ने किया।

दो मज़हब के मरीज़ों ने किडनी बदल कर जोड़ लिया दिल का रिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 जुलाई , आज के वक्त में मैं जहां धर्म को लेकर लोगों के बिच अक्सर मनमुटाव देखने को मिलते हैं, लेकिन एक ऐसी मिसाल भी देखने को मिली, जिससे इस बात को सच कर दिया है कि किसी की जान बचाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है और इंसानियत से बड़ा कुछ नहीं है. अलीगढ़ की रूमाना अहमद और मेरठ के राकेश शर्मा दोनों की किडनी पूरी तरीके से डैमेज हो गई थी और दोनों को जल्द से जल्द किडनी ट्रांसप्लांट की ज़रूरत थी. लेकिन किडनी ट्रांसप्लांट में बड़ी समस्या आ रही थी, क्योंकि दोनों का अपने फैमिली से ब्लड ग्रुप मैच नहीं कर रहा था.

साभार : सो.मी.

यह बात सही है कि जब अपनों की जान पर बन आती है तो फिर सब कुछ छोटा दिखने लगता है. ऐसा ही राकेश शर्मा और रूमाना अहमद के परिवार के साथ भी हुआ. दोनों परिवारों की महिलाओं ने किडनी स्वैप कर अपनों की जान बचाई. दरअसल , राकेश और रूमाना अहमद को किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत थी, लेकिन दोनों को किडनी डोनर नहीं मिल पा रहे थे, क्योंकि परिवार से ब्लड ग्रुप मैच नहीं हो रहा था. ऐसे में डॉक्टर ने कहा कि किडनी स्वैपिंग ही एक ऑप्शन बचा है और जब परिवारों से पूछा गया तो उन्होंने बिना किसी झिझक के किडनी स्वैपिंग के लिए हां कर दिया.

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कलीमुद्दीन अहमद ने कहा कि हम लोग इंसान पहले हैं और इंसानियत सारे धर्मों से पहले आती है. हम लोग पहले कभी नहीं मिले, लेकिन इस किडनी डोनेशन के बाद हम लोग एक परिवार है. राकेश शर्मा जिनको राना इलियास की किडनी मिली, उन्होंने कहा मैं अपने धर्म को मानता हूं, पूजा पाठ करता हूं. हिंदू धर्म को फॉलो करता हूं, हांलाकि अगर किसी की वक्त पर ऐसे मदद की जाए तो इससे बड़ा धर्म कोई नहीं होता और यह का एग्जांपल है प्यार व एकता का.

अस्पताल के यूरोलॉजी एक्सपर्ट ने बताया दोनों ही मरीज रूमाना और राकेश एंड स्टेज किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे और इन्हें जिंदा रहने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट बहुत ज्यादा आवश्यकता थी. इसी को देखते हुए दोनों परिवारों की जो पहल है उसे दोनों का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ और दोनों की जान बची. यह जो सर्जरी हुई है यह पहली बार परफॉर्म की गई है. रोबोटिक सर्जरी हुई है. दोनों की किडनी डैमेज हो चुकी थी, लेकिन जब वह हमारे पास आए स्वैपिंग के अलावा हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं था.

हर 10 में से 6 सरकारी कर्मचारी हैं मोटापे के शिकार !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 जुलाई , अक्सर लोग दिल का दौरा या स्ट्रोक होने के मामलों को अचानक होने वाली घटना मानते हैं लेकिन कुछ अध्ययनों से पता चला है कि बहुत से लोग अपने वजन की समस्या और यहां तक की शुगर के लेवल के बारे में भी अनजान रहते हैं। एक अध्ययन के अनुसार लगभग 10 में से 6 सरकारी कर्मचारी अधिक वजन या मोटापे से पीड़ित है।महानगर मुंबई में जीएसटी भवन के लगभग 190 सरकारी कर्मचारियों के लिए सर्वेक्षण किया गया और इसमें उनके डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और मोटापे का परीक्षण किया गया। इस अध्ययन में पाया गया कि 38% लोगों को ब्लड प्रेशर की कुछ समस्याएं थी और 18% लोगों को पहली बार पता चला कि उन्हें डायबिटीज की समस्या है ।वजन बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय संबंधित रोगों से लेकर कैंसर तक कई बीमारियों के जोखिम का कारण हो सकता है। यह सर्वेक्षण लोगों को गैर-संचारी रोगों के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित किया गया था। मार्च में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग ने मोटापा 'जागरूकता और उपचार' अभियान शुरू किया था।इस अभियान में सबसे पहले स्कूल के छात्रों की स्क्रीनिंग की गई। उसके बाद जून के अंत में राज्य कर्मचारियों की स्क्रीनिंग शुरू हुई। इससे पहले होने वाले सर्वेक्षणों के अनुसार भारत में हाई ब्लड प्रेशर की घटनाएं 20% से 25% के बीच है और अर्बन इंडिया में मोटापे की समस्या लगभग 30% है।बेरिएट्रिक सर्जन का कहना है कि मोटापे से पीड़ित 90% लोग इलाज करने में देरी करते हैं जिससे उन्हें कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वजन कम करने के लिए मरीज को अक्सर अपनी लाइफस्टाइल पर ध्यान देना चाहिए। स्वस्थ जीवन शैली के लिए स्वस्थ आहार योग और एक्सरसाइज जैसे विकल्प को आजमाना चाहिए।

प्रतीकात्मक चित्र

जन-जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश दिए

पौड़ी। जनपद स्तरीय बैंकर्स निगरानी समिति की बैठक में डीएम ने सभी बैंकर्स को वित्तीय साक्षरता के संबंध में लोगों को जागरूक करने, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए रिमोट एरिया में जन-जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को योजनाओं का अधिक-से-अधिक लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम डा.आशीष चौहान ने स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इण्डसिण्ड बैंक के अफसरो को सीडी रेशियो(क्रेडिट डिपोजिट, जमा पूंजी, ऋण वितरण अनुपात) में निम्न प्रगति पर कड़ी फटकार लगाते हुए 1 महीने के भीतर सीडी रेशियो में सुधार के निर्देश दिए। कहा कि जल्द ही सुधार नहीं होने पर कार्रवाई भी की जाएगी। डीएम ने लीड बैंक अधिकारी को कालागढ़ क्षेत्र में एक बैंक ब्रांच खोलने, मुख्य कृषि अधिकारी को प्रगतिशील किसानों को चिह्नित करते हुए उनको सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ देने, सेल्फ रूरल एप्लायमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक को छोटे-मोटे स्वरोजगारपरक कार्यों का व्यावहारिक और तकनीकि प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए।

भारत में सिंदूर क्यों मानी जाती है पवित्र निशानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 31 जुलाई , हमारे देश में कई ऐसी मान्यताएं हैं जिनके पीछे आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व छिपे हुए हैं। बता दें कि सुहागिन महिलाओं द्वारा लगाए जाने वाले सिन्दूर का भी अपना एक विशेष महत्व है। इसके पीछे न केवल आध्यात्मिक महत्व है बल्कि वैज्ञानिक महत्व भी छिपा हुआ है। हिंदू धर्म में सिंदूर को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता यह भी है कि सुहागिन महिलाओं द्वारा मांग में सिंदूर भरने से पति की आयु लंबी होती है और स्त्री को सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सिंदूर लगाने का चलन प्राचीन काल से चला रहा है और इसका संबंध माता पार्वती व देवी सीता से भी जुड़ता है।

सांकेतिक चित्र

सिंदूर का उल्लेख रामायण काल में भी किया गया था। माना जाता है कि माता सीता नितदिन श्रृंगार के रूप में सिंदूर का प्रयोग करती थीं। एक कथा के अनुसार, हनुमान जी ने जब मां सीता को सिंदूर लगाते हुए देखा और तो जिज्ञासावश उनसे यह पूछा लिया कि वह हर दिन सिंदूर क्यों लगाती हैं, तब जानकी जी ने उन्हें बताया कि वह भगवान श्री राम की लंबी आयु के लिए मांग में सिंदूर भरती हैं और भगवान श्री राम इससे प्रसन्न होते हैं। तब श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी ने अपने प्रभु को प्रसन्न करने के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर का लेप लगा लिया था। इसलिए वर्तमान काल में भी हनुमान जी की पूजा में सिंदूर का प्रयोग निश्चित रूप से किया जाता है। ऐसा करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

दांपत्य जीवन में सिंदूर का महत्त्व

शास्त्रों में बताया गया है कि जिन सुहागिन महिलाओं द्वारा मांग में सिंदूर लगाया जाता है, उन्हें पति की अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। साथ ही समूचे परिवार को संकटों से छुटकारा मिल जाता है। नवरात्रि व दीपावली में मां दुर्गा और माता लक्ष्मी की उपासना में भी 16 श्रृंगार में सिंदूर का स्थान श्रेष्ठ माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार सिंदूर का प्रयोग करने से माता सती और मां पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ दांपत्य जीवन में सुख और समृद्धि आती है।

सिंदूर लगाने के पीछे छिपा है वैज्ञानिक महत्त्व

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का ब्रह्मरंद्र यानी मस्तिष्क का ऊपरी भाग बहुत ही संवेदनशील और कोमल होता है। ऐसे में सिंदूर लगाने से विद्युत ऊर्जा पर नियंत्रण पाई जा सकती है और इससे नकारात्मक विचार दूर रहते हैं। ऐसा भी देखा गया है कि सिंदूर लगाने से सिर दर्द, अनिद्रा, मस्तिष्क से जुड़ा रोग समाप्त हो जाता है। यह भी कहा जाता है कि सिंदूर के प्रयोग से चेहरे पर जल्दी झुर्रियां भी नहीं पड़ती हैं और बढ़ती उम्र के संकेत दिखाई नहीं देते हैं।

देहरादून में कुत्ता पालना है तो पहले पड़ोसी को खुश करना होगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 31 जुलाई : अगर आप डॉग लवर हैं और कुत्ता पालना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने पड़ोसियों को खुश कीजिए।वो इसलिए क्योंकि अगर कुत्ते को लेकर पड़ोसियों ने नाक-भौं सिकोड़ी तो आपका डॉग लाइसेंस रद्द हो सकता है। अगर कुत्ता पालना है तो पड़ोसी की एनओसी लेना जरूरी है। दूसरे कई नियमों का भी ध्यान रखना होगा। देहरादून नगर निगम ने कुत्ता पालने के लिए सख्त नियम बनाए हैं। इसके तहत पड़ोसियों से एनओसी नहीं मिली तो कुत्तों का लाइसेंस रिन्यू नहीं होगा।

नियम न मानने पर निगम की ओर से निर्धारित जुर्माना भी लगाया जाएगा। निगम की ओर से कुत्ता पालने वालों के लिए नए नियम लागू किए जा रहे हैं। इसके तहत डॉग लाइसेंस बनाने के लिए 500 रुपये देने होंगे। हर साल लाइसेंस रिन्यू कराना होगा, ऐसा न होने पर हर तीन महीने में 100 रुपये लेट फीस देनी होगी। तीन माह से अधिक की आयु के कुत्तों का अगर छह माह तक पंजीकरण नहीं कराया तो 700 रुपये का जुर्माना देना होगा। कुत्तों के गले में टोकन लगाना अनिवार्य होगा, ऐसा नहीं हुआ तो निगम कुत्तों को जब्त कर लेगा। बता दें कि देहरादून शहर में 4000 पालतू कुत्ते होने के बाद भी नगर निगम में सिर्फ 37 के ही रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

नगर निगम की ओर से कुत्तों के लाइसेंस शुल्क अधिनियम 2022 की नियमावली तो बनाई गई है, लेकिन इसे सख्ती से लागू नहीं किया जा रहा। हाल ये है कि शहर के लोग पालतू कुत्तों को खुले में शौच कराते हैं। इससे सड़कों, पार्क, खेल मैदान आदि में गंदगी फैल रही है। पड़ोसी भी परेशान रहते हैं। अब नगर निगम ने डॉग लाइसेंस की नियमावली सख्ती से लागू करने की बात कही है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हर्ष पाल सिंह चंडोक ने कहा कि नियमावली लागू होने के बाद डॉग लाइसेंस Dehradun Pet Dog License बनाने के लिए शहर की कॉलोनी व सोसाइटी को नोटिस भेजे जाएंगे। नियमावली का उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

साभार : सो.मी.

भारत के कभी ना सोने वाले शहर के बारे में जानते आप ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 31 जुलाई : देखने में भारत की हर जगह कितनी हसीन लगती है ना? यहां की खूबसूरती का मुकाबला तो विदेशी जगहों से भी नहीं है। बल्कि देश में ऐसे कई स्थान हैं, जिनके नाम फॉरेन प्लेसेस से जोड़ दिए गए हैं, जैसे कूर्ग को स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया कहते हैं, तो वहीं दार्जीलिंग को स्विट्जरलैंड ऑफ इंडिया कह देते हैं। ऐसे ही और शहर भी हैं, जिन्हें उनके कई नामों से जाना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने वाले हैं, जिसे कभी ना सोने वाले शहर के रूप में जानते हैं। वैसे ये लाइन तो आपने मुंबई नगरी के लिए सबसे ज्यादा सुनी होगी, लेकिन ये टैग दक्षिण के एक शहर को भी दिया गया है। चलिए बताते हैं, कौन सा शहर है वो।

शायद आप चौक जाएं, लेकिन भारत के तमिलनाडु राज्य के मदुरै शहर को कभी ना सोने वाला शहर कहते हैं। इस शहर को प्राचीन मंदिरों का शहर भी कह सकते हैं, जहां कई खूबसूरत ऐतिहासिक मंदिर मौजूद हैं। ऐसा बताया जाता है कि भारत के इस शहर का इतिहास करीबन 25,00 साल जितना पुराना है। साथ ही व्यावसायिक और राजनीतिक केंद्र के हिसाब से ये तमिलनाडु राज्य का काफी महत्वपूर्ण शहर भी है। यहां आपको कई मुख्य आकर्षण देखने को मिल

सांकेतिक चित्र

जाएंगे, यहां का मीनाक्षी मंदिर देखने लायक जगहों में आता है, जिसके ऊंचे गोपुरम यहां आने वाले पर्यटकों को काफी आकर्षित करते हैं।

दक्षिण भारत के इस शहर को मथुरा के अलावा कूडल मानगर, तुंगा नगर भी कहते हैं, मतलब कभी ना सोने वाली जगह, यही नहीं, इसे पूर्व का एथेंस और मल्लिगाई मानगर यानी मोगरे की नगरी भी कहते हैं। कुछ लेखों में इसके नाम को लेकर भी अलग-अलग कहानियां फेमस है। अगर इसके नाम मदुरै की बात की जाए, तो स्थानीय लोग इसे तेन मदुरै कहते हैं, जिसका हिंदी में मतलब दक्षिण का मथुरा है। कुछ लेखों में ये भी बताया जाता है कि भगवान शिव की जटा से निकली धारा मधुर होने से मधुरा या फिर पांच भूमि के टाइप में से मरुदम के नाम पर इसका नाम रखा गया है।

दक्षिण भारत का ये शहर शिक्षा का केंद्र भी है, यहां शुद्ध तमिल भाषा बोलते हैं, साथ ही इस शहर को मंदिर का शहर भी कहा जाता है। इतिहास की बात की जाए, तो इस शहर में पाण्ड्य राजाओं का भी शासन रहा। यही नहीं, चोल वंश में भी यहां पांड्य राजाओं ने शासन किया था।

संक्षिप्त खबरें

समलौंण संस्था ने लगाए 105 पौधे

पौड़ी। समलौंण द्वारा थलीसैंण ब्लाक के नौगांव पज्याणा के जय मां काली स्मृति समलौण वन में 105बांज के समलौण पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम शुभारंभ समलौण आंदोलन के राज्य संयोजक मातबर सिंह बर्त्वाल ने किया। उन्होंने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रीति देवी ने कहा कि पौधारोपण मानव जीवन के लिए एक पुण्य का कार्य है। पेड़ तो हर वर्ष असंख्य लगते हैं लेकिन उनका संरक्षण नहीं होने के कारण पर्यावरण असंतुलित रहता है। जिससे ग्लोबल वार्मिंग जलवायु परिवर्तन आदि अनेक समस्याओं को हम महसूस करते हैं। इन सब से बचने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। समलौण संस्था संपूर्ण राज्य में हर संस्कारों के अवसर पर एक आंदोलन के रूप में कार्य कर रही है जो कि प्रशंसनीय है। उन्होंने बताया कि संस्था का लक्ष्य 30 जुलाई को वृक्ष संरक्षण दिवस का होना बहुत जरूरी है तभी वृक्ष बच पाएंगे। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक वीरेंद्र दत्त गोदियाल ने संस्था के लक्ष्य एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर संस्था के सचिव नरेंद्र सिंह नेगी, सुरेश कुमार, उत्तम रावत, आरव रावत, अनुज रावत, हिमानी रावत, हरेंद्र रावत, दृष्टि रावत, अवनी रावत, मोहित रावत, मनोज रौथाण, नथीराम नौडियाल, बबीता देवी, मीनाक्षी रावत, मालती रावत, रचना, आरती, वर्षा, करिश्मा, साक्षी, अंजलि, हिमानी, प्रिया, तनु, सोनाली, रीना, कंचन, सुनीता भंडारी, बिमला देवी, कांति देवी नौडियाल, गो ?दावरी देवी, देवेश्वरी, सीमा देवी गोदियाल, बनसा देवी, सुरमा देवी, पवित्रा देवी, राजमती देवी, रीना देवी, बीना देवी, पुरबा देवी, पार्वती देवी आदि शामिल थे।

कांवड़ यात्रा का ढोल नगाड़ों से किया स्वागत

चमोली। हर साल आयोजित होने वाली दो दिवसीय महामृत्युंजय महादेव कांवड़ यात्रा रविवार सुबह कर्णप्रयाग संगम से गंगाजल लेने के लिए नारायणबगड़ से रवाना हुई। इसबार की कांवड़ यात्रा में बडी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई हैं। नारायणबगड़ से रविवार सुबह ढोल नगाड़ों के बीच ब्लाक प्रमुख यशपाल नेगी ने कांवड़ यात्रा को रवाना किया।भोले के जयकारों के साथ कांवडियों के जत्थे वाहनों पर सवार होकर कर्णप्रयाग संगम पर पहुंचे। पिंडर तथा अलकनंदा नदी के संगम पर कांवडियों ने स्नान कर मां गंगा की पूजा अर्चना की ओर यज्ञ करने के बाद कांवड़ में जल भर कर कांवड़ यात्रा का आगाज किया। इस दौरान कर्णप्रयाग से नारायणबगड़ के बीच कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत और सत्कार किया गया। कर्णप्रयाग में विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने कांवड़ यात्रा में शामिल कांवडियों को जलपान कराया और फल वितरित किए। देर शाम कांवड़ यात्रा रात्रिविश्राम के लिए नारायणबगड़ पहुंची।इस मौके पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर कांवडियों का स्वागत किया। सोमवार सुबह कांवड़ यात्रा नारायणबगड़ से प्रस्थान कर मृत्युंजय महादेव मंदिर देवधूरा पहुंचेगी।

क्या टिहरी बांध की बाढ़ में डूब जाएंगे ऋषिकेश-हरिद्वार, एक्सपर्ट्स ने बताया पूरा सच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी गढ़वाल 31 जुलाई : टिहरी बांध की सुरक्षा और सेफ्टी को लेकर अक्सर कई तरह की बातें सुनने को मिलती हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि अगर विनाशकारी भूकंप आया तो टिहरी बांध से निकला पानी देवप्रयाग, ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे कई शहरों को बाढ़ में डुबो देगा। इन दिनों बरसात के चलते नदियां उफनाई हुई हैं, ऐसे में इस तरह की अफवाहें फिर चल पड़ी हैं। इन तमाम आशंकाओं पर टिहरी बांध परियोजना के निदेशक एलपी जोशी ने अपनी बात रखी है।

उनका कहना है कि मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। ऊपरी इलाके से बाढ़ के पानी को टिहरी डैम में रोक लिया जाता है। आजकल टिहरी झील का लेवल 811 आरएल मीटर है। टिहरी डैम आपदा, भूकंप, डिजायन और फ्लड क्षमता के अनुरूप पूरी तरह से सुरक्षित है। टिहरी बांध रॉकफिल बांध है जिसमें पूरी एडज-स्टेबल क्षमता है। डैम के निर्माण से पहले मास्को की अंतराष्ट्रीय संस्था एचपीआई और आईआईटी रुड़की की संयुक्त टीम से रिसर्च करवाकर मानकों को अपनाया गया है। एक और बात, टिहरी बांध 8 रिएक्टर के भूकंप को भी झेल सकता है,

जबकि दुनिया में अभी तक सिर्फ 7 रिएक्टर का ही भूकंप आया है। टिहरी बांध का रिजर्व वायर इतना विशाल है कि 7500

सांकेतिक चित्र

क्यूमैक्स पानी की क्षमता को वर्ष 1999 में आये फ्लड में झेल चुका है, जबकि इस बांध की क्षमता 15 हजार क्यूमैक्स वाटर को झेलने की है। बांध की सुरक्षा के लिए 350 से अधिक अत्याधुनिक उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वरिष्ठ जियोलॉजिस्ट और सिस्मोलॉजिस्ट ने भी टिहरी डैम के सर्वे में पाया है कि इसमें रिक्टर स्केल 8 की तीव्रता वाले भूकंप को सहने की क्षमता है। इस तरह टीएचडीसी के अधिकारियों ने स्थिति साफ कर दी है। उनका कहना है कि डैम की सुरक्षा को लेकर फैलाई जा रही सभी बातें Tehri Dam flood rumor भ्रामक हैं। अभी तक की सेफ्टी रिपोर्ट में बांध को पूरी तरह फिट बताया गया है, इसलिए किसी भी तरह की काल्पनिक शंका को टिहरी बांध की सुरक्षा और सेफ्टी से जोड़ना ठीक नहीं है।

मणिपुर की घटनाओं के विरोध में बनाई मानव ऋंखला

देहरादून। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करने और हिसंक घटनाओं के विरोध में उत्तराखंड महिला मंच समेत विभिन्न जन संगठनों ने मानव ऋंखला बनाकर विरोध जताया। आक्रोशित लोगों ने मणिपुर सरकार और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। मणिपुर की सरकार को बर्खास्त कर पीएम और गृह मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की है। रविवार को विभिन्न संगठनों के लोग गांधी पार्क में एकत्र हुए। यहां बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता धूम सिंह नेगी, पर्यावरणविद् डॉ. रवि चोपड़ा, पूर्व मुख्य सचिव एसके दास, पूर्व अपर मुख्य सचिव विभा पुरी, पूर्व गढ़वाल कमिश्नर एसएस पांगती, पूर्व शिक्षा निदेशक नंद नंदन पांडेय और महिला मंच की अध्यक्ष कमला पंत के नेतृत्व में मानव ऋंखला बनाकर घंटाघर की ओर बढ़े। मणिपुर और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जनगीत भी गाए। घंटाघर से वापस गांधी पार्क के मुख्य गेट पर पहुंचे। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि वक्ताओं ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करने की घटना क्रूरता की सीमा को पार करने वाली घटना है। यह मानव मूल्यों में तेजी से आई गिरावट का नतीजा है। यह महिला सम्मान और बेटी बचाओ के खोखले नारों का भी उपहास है। कहा कि मणिपुर से आने वाली खबरें साफ बता रही हैं कि इस मामले में अब भी लीपापोती की जा रही है। भीड़ में नजर आ रहे एक-एक व्यक्ति की पहचान कर उन्हें सलाखों की पीछे पहुंचाने की मांग की। इस मौके पर गीता गैरोला, निर्मला बिष्ट, उमा भट्ट, राजीव नयन बहुगुणा, अरण्य रंजन समून, शंकर गोपाल, समर भंडारी, विजय भट्ट, इंद्रेश नौटियाल, नितिन मलेठा, हिमांशु चौहान, त्रिलोचन भट्ट, गंगाधर नौटियाल, शंकर गोपाल, गिरधर पंडित, आरिफ खान, नगर काजी, पद्मा गुप्ता, एडवोकेट जितेन्द्र, लेखराज, राजेश पाल, जयकृत कंडवाल, सतीश धौलाखंडी, स्वाति नेगी, पद्मा गुप्ता आदि मौजू रहे।

मानव ऋंखला में ये संगठन रहे शामिलः मानव श्रृंखला उत्तराखंड महिला मंच, उत्तराखंड इंसानियत मंच, सर्वोदय मंडल, जनवादी महिला समिति, स्त्री मुक्ति लीग, उत्तराखंड जनजाति कल्याण समिति, रंग कल्याण संस्था, जोहार क्लब, नुमाइंदा ग्रुप ऑफ उत्तराखंड, भारत की नौजवान सभा, चेतना आंदोलन, सर्वोदय मंडल, सीटू, अखिल भारतीय किसान सभा, एसफआई, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, एनएपीएसआर, जन संवाद समिति, सिख वेलफेयर सोसायटी, विकल्प, उत्तराखंड अगेंस्ट करप्शन, मसीह समाज, संवेदना, उत्तराखंड पीपुल्स फोरम आदि ने हिस्सा लिया। राजनीतिक दलों की ओर से कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल के प्रतिनिधि भी रहे।

आशारोड़ी में पौधरोपण से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया

देहरादून। रोटरी क्लब ने वन विभाग और हिमालय वेलनेस कंपनी के सहयोग से आशारोड़ी में पौधरोपण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वन क्षेत्राधिकारी बीडी तिवारी, अध्यक्ष आरटीएन डॉ. तरूण भाटिया, उपाध्यक्ष आरटीएन डॉ. एस फारूक, आरटीएन अनुपम त्रिवेदी, जहांगीर, रोटरेक्टर डॉ. उपासक एस भाटिया और फरीद अली ने पौधे लगाकर किया। वन क्षेत्राधिकारी बीडी तिवारी ने कहा कि पर्यावरण के प्रति सभी लोगों को सचेत होने की जरूरत है। पर्यावरण तभी संरक्षित रहेगा, जब पौधरोपण कर उनकी देखभाल भी करेंगे। बताया कि विन विभाग अपने स्तर से पूरे प्रयास कर रहा है, लेकिन इसमें जनसहभागिता जरूरी है।

भूस्खलन से बंद रहा मसूरी-देहरादून मार्ग

देहरादून। मसूरी-देहरादून मार्ग पर रविवार शाम चार बजे भारी बारिश के बीच भूस्खलन हो गया। यहां पानी बैंड के समीप सडक़ काफी देर तक बाधित रही। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर यातायात चालू किया गया। रविवार शाम को पानी बैंड के समीप भूस्खलन होने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इससे पर्यटकों के साथ ही स्थानीय निवासियों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। मलबे के बीच ही लोगों ने रास्ता बनाकर एक तरफ के वाहनों को रोककर दूसरे तरफ से वाहनों का संचालन शुरू किया। करीब आधे घंटे बाद लोक निर्माण विभाग ने मौके पर जेसीबी भेजकर मलबे को हटाया। तब जाकर दोनों तरफ से यातायात चालू हो पाया। मसूरी से लौट रहे पर्यटक सुखविंदर सिंह ने बताया कि यहां पर भूस्खलन होने से मार्ग बाधित हो गया था जिसके चलते उन्हें आधे घंटे तक यहां पर फंसे रहना पड़ा। लोक निर्माण विभाग के जेई पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि कहा कि जिन जगहों पर भूस्खलन होने की संभावना बनी हुई है वहां पर जेसीबी खड़ी की गई है ताकि भूस्खलन होने पर तुरंत मलबे को साफ किया जा सके। पानी बैंड पर भी आधे घंटे के भीतर मलबा हटा दिया गया था।

ट्रेटा पैकिंग में मिलेगा आंचल का दूध

देहरादून। उत्तराखंड आंचल डेयरी का दूध, लस्सी और म_ा भी अब। ट्रेटा पैक की बदौलत आंचल के दुग्ध उत्पाद लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगे। सुरक्षित रखने के लिए उन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत भी न होगी। यूसीडीएफएल के एमडी जयदीप अरोड़ा ने बताया कि सोमवार को दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा इसे विधिवत लांच करेंगे। इसकी शुरूआत 1.5 लाख लीटर के साथ की जा रही है। इसके जरिए उत्तराखंड के पशुपालकों के दुग्ध उत्पादों को एक सशक्त ब्रांड के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

अमूल, मदर डेयरी के साथ होगी टक्कर

आंचल ब्रांड की टक्कर अमूल और मदर डेयरी के साथ होगी। इस वक्त उत्तराखंड के बाजार में इन दो कंपनियों की हिस्सेदारी ज्यादा है। पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य पैकिंग के दूध के साथ साथ ट्रेटा पैक दूध की भी काफी मांग है। खासकर यात्रा सीजन के दौरान इसकी मांग ज्यादा बढ़ जाती है।

संक्षिप्त खबरें

छिमटा गांव में दो संपर्क पुलिया ध्वस्त

चमोली। गत दिन आदिबदरी क्षेत्र के छिमटा गांव में रात्रि को हुई बारिश ने तबाही मचाई है। बारिश के कारण मलबा एवं गाद आने के कारण दो संपर्क पुलिया, गांव का संपर्क मार्ग, पेयजल योजनाएं ध्वस्त हो गई। साथ ही बारिश और मलबे के कारण कई नाली भूमि में खड़ी धान एवं मडुवे की फसल चौपट हो गयी है। जबकि कई किसानों के खेत भी बह गए हैं। भाजपा के मंडल महा मंत्री नारायण सिंह नेगी ने सरकार और प्रशासन से क्षतिग्रस्त योजनाओं का निरीक्षण करने की मांग की है। ताकि टीम नुकसान का आकलन कर किसानों को मुआवजा देने के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी करे।

गढ़वाल विवि में रस्सा-कस्सी में 52 टीमों ने दिखाया दमखम

श्रीनगर गढ़वाल। भारत द्वारा जी-20 समूह की अध्यक्षता के गौरवपूर्ण अवसर के उपलक्ष्य में गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा जनभागीदारी के अन्तर्गत रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूलों, कॉलेजों एवं विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों की 52 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि तहसीलदार हरीश जोशी, विशिष्ट अतिथि प्रो. पीएस राणा व गिरीश पैन्यूली ने किया। गढ़वाल विवि के चौरास परिसर स्थित खेल मैदान में कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के निर्देशन में आयोजित रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में स्कूल स्तर पर बालक वर्ग में केंद्रीय विद्यालय की टीम विजेता व गुरुरामराय इंटर कॉलेज की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग में रेनबो पब्लिक स्कूल की टीम विजेता तथा शेमफोर्ड पब्लिक स्कूल की टीम उपविजेता रही। कॉलेज स्तर पर बालक व बालिका वर्ग में एचएनबीजीयू श्रीनगर विजेता व एसपी मैमोरियल बीएड कॉलेज की टीम उप विजेता रही। ओपन वर्ग में एसएसबी श्रीनगर की टीम विजेता तथा गढ़वाल विवि की शिक्षणेत्तर एसोसिएशन की टीम उप विजेता रही। जबकि महिला वर्गमें मैंदोली गांव की टीम विजेता तथा जय परशुराम फरासु की टीम उपविजेता रही। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.महावीर सिंह नेगी, एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट रवि कुमार ने सभी विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

मरीजों को किए फल वितरित

श्रीनगर गढ़वाल। भोले जी महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आदिति स्मृति न्यास की ओर से उप जिला अस्पताल श्रीनगर में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान आदिति स्मृति न्यास के सचिव गिरीश पैन्यूली ने कहा कि भोले महाराज की ओर से समाज सेवा के क्षेत्र में बढ़-चढक़र कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में आयोजित कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में भी भोले महाराज की ओर से योगदान दिया गया। दूसरी ओर गत गुरूवार को भोले जी महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विवि के चित्रा गार्डन में विवि के हैप्रक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विजयकांत के निर्देशन में युवाओं ने बृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया।

स्वच्छता सारथी अमन ने ई-वेस्ट एकत्रीकरण अभियान चलाया

श्रीनगर गढ़वाल। भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा स्वच्छ भारत एवं वेस्ट टू वैल्थ अभियान के अंतर्गत उत्तराखंड से चयनित एक मात्र स्वच्छता सारथी छात्र अमन सेमल्टी ने अपने विद्यालय रेनबो पब्लिक स्कूल में इस माह की वेस्ट सेग्रेगेशन थीम के अनुरूप ई-वेस्ट एकत्रीकरण का कार्यक्रम का आयोजन किया। कक्षा 11 के छात्र अमन के ई-वेस्ट एकत्रीकरण के कार्यक्रम को प्रधानाचार्य डा. रेखा उनियाल एवं उप प्रधानाचार्य रिद्धिश उनियाल ने सराहा और विद्यालय स्तर पर इस प्रस्ताव को क्रियान्वित करने हेतु अपना सहयोग एवं मार्गदर्शन किया। कक्षाचार्य अतुल उनियाल के निर्देशन में अमन ने समस्त छात्र-छात्राओं को अपने अपने घर में बेकार पड़े इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट के खतरों से अवगत कराया। अमन ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट जैसे की पुराने मोबाइल, तार, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बेकार पड़े लैपटॉप, टैबलेट, कम्प्यूटर एवं उसके पार्ट्स आदि न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं वरन सामान्य कूड़े के साथ मिलने पर पर्यावरण को भी बहुत हानि पहुंचाते हैं। साथ ही सामान्य कूड़े की रिसाइक्लिंग को भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

संपादकीय

चीरहरण की सीबीआई जांच

मणिपुर बीते 87-88 दिनों से जल रहा है। बाजार, मकान, घर, गली-मुहल्लों में सन्नाटा पसरा है। इस बीच जो विध्वंस किए गए हैं, आगजनी से बहुत कुछ 'राख' किया गया है, उनके जले-टूटे अवशेष ही साक्ष्य हैं। अपने-अपने इलाकों में छात्र और महिलाएं भी क्रमशः बंदूक लेकर और मशाल जला कर पहरेदारी में जुटे हैं। सेना और सुरक्षा बलों के जूतों की आवाज सुनाई देती है अथवा कहीं-कहीं गोलियां, ग्रेनेड चलाने के विस्फोट सुनाई देते हैं। मणिपुर करीब तीन माह के बाद भी अशांत और तनावपूर्ण है। विश्वास नहीं होता कि 17 जुलाई के बाद कोई मौत नहीं हुई होगी! बहरहाल केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई जांच का निर्णय सही दिशा में, सटीक कदम है। दो महिलाओं का चीरहरण, उन्हें नग्न अवस्था में घुमाना, एक 21 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार, घटना का वीडियो वायरल होना, राष्ट्रव्यापी गुस्सा और देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की क्षुब्ध टिप्पणी आदि व्यापक घटनाक्रम हैं, जिनकी गहराई में जाना जरूरी है। भारत सरकार ने सर्वोच्च अदालत से अनुमति मांगी है कि चीरहरण कांड का संपूर्ण ट्रायल, मणिपुर के बजाय, असम में किया जाए। मौजूदा हालात में मणिपुर प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की उम्मीद रखना भी फिजूल है। राज्य सरकार से ही मणिपुर के लोगों का भरोसा टूट चुका है। मोहभंग हो चुका है। ऐसे में सीबीआई जांच ही एकमात्र विकल्प था, लेकिन उसे भी समयबद्ध किया जाए, क्योंकि सीबीआई जांच लंबी खिंच जाती है। सीबीआई वायरल वीडियो, उसके कैमरे और वीडियो बनाने वालों की भी जांच करेगी। प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। मणिपुर का यथार्थ यह है कि करीब 65,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं और 50,000 से अधिक बेघर हुए हैं। करीब 3000 लोग घायल हुए हैं, जबकि मौतों की संख्या 165 तक पहुंच चुकी है। राज्य में करीब 5000 हिंसक घटनाएं हुई हैं। करीब 24,000 लोग राहत-शिविरों में शरण लिए हैं। वहीं महिलाओं ने 32 शिशुओं को जन्म दिया है और अब भी कई गर्भवती औरतें शिविरों के भीतर हैं। पुलिस ने 12,740 लोगों को एहतियात के तौर पर गिरफ्तार किया है और 252 संदिग्ध चेहरों की पहचान की गई है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड का साइको किलर, दो पत्नियों को मार डाला, तीसरी पत्नी के नाखून प्लास से उखाड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधमसिंह नगर 31 जुलाई : कोई इंसान ऐसी हैवानियत कैसे कर सकता है? ऊधमसिंहनगर के किच्छा में एक शख्स ने जो किया, वो सुनकर आप भी यही सवाल पूछेंगे। इस शख्स ने पहले दो पत्नियों की हत्या की और तीसरी शादी कर तीसरी पत्नी को भी अमानवीय यातनाएं देने लगा। इतना ही आरोपी ने चंद रुपयों के लिए अपने नवजात बेटे को बेच दिया। आरोपी की एक मासूम बेटी थी, लेकिन उसकी भी निर्ममता से हत्या कर दी गई। ये कहानी फिल्मी जरूर लगती है, लेकिन यही साइको किलर संतोष की जिंदगी की असली सच्चाई है।

साभार : सो.मी.

पुलिस जांच में उसकी दरिंदगी की कहानियां सामने आईं तो हर किसी की रूह कांप गई। आरोपी संतोष किच्छा की प्रतापपुर कॉलोनी में रहता था। उसने अपनी दूसरी पत्नी केदल की हत्या कर लाश को नाले में गाड़ दिया और उसके बाद साली के साथ रहने लगा। पहली पत्नी के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने संतोष को बीते दिन गिरफ्तार कर लिया। जांच शुरू हुई तो पता चला कि दूसरों को तड़पा-तड़पा कर मारना संतोष का शौक है। बताया जाता है कि उसने अपनी पहली पत्नी को भी घर में जला दिया था। घटना का कोई गवाह नहीं था, इसलिए संतोष बच गया। दूसरी पत्नी के दल को मारने से पहले उसने उसे खूब प्रताड़ित किया। उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड से वार किया गया था। के दल की हत्या के बाद वो यूपी गया और के दल की छोटी बहन को अपने साथ ले आया।

इधर संतोष की पहली पत्नी के बेटे ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। जिसके बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। संतोष इलेक्ट्रिशियन है। उसकी पहली पत्नी का नाम रंभा था। रंभा की हत्या के बाद उसने केदल से शादी की और उसे भी प्रताड़ित करने लगा। केदल की शिकायत पर संतोष तीन महीने तक जेल में बंद रहा था, बाद में जेल से लौटने पर उसने केदल को मार डाला और ससुराल में ये अफवाह फैला दी कि केदल किसी के साथ भाग गई। बाद में आरोपी केदल की छोटी नाबालिग बहन को अपने साथ ले आया और उसे भी शारीरिक यातनाएं देने लगा। प्लास से उसके हाथ के नाखून तक खींच लिए। आरोप है कि संतोष ने केदल से हुए बेटे को 10 हजार में बेच दिया था। जब केदल ने तीसरी संतान के रूप में बेटी को जन्म दिया तो आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। फिलहाल साइको किलर संतोष पुलिस की गिरफ्त में है।

जावेद हबीब सैलून एंड एकेडमी के उद्घाटन में लगा ग्लैमर की हस्तियों का जमावड़ा

प्रसिद्ध पंजाबी अभिनेता, गायक और म्यूजिक डायरेक्टर अमित कुमार का जलवा रहा

- मिस उत्तराखंड एवं फेमिना मिस इंडिया उत्तराखंड 2022 ऐश्वर्या बिष्ट और मिस उत्तराखंड फर्स्ट रनर अप 2022 के हुस्न की रोशनी से चमक गया उद्घाटन समारोह
- मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अमित कुमार,ऐश्वर्या बिष्ट और हिमानी रावत
- विशिष्ट अतिथि के रूप में दलीप सिंधी और राजीव मित्तल ने फैशन ट्रेनियो का किया मार्गदर्शन
- सेंटर संचालकों अब्दुल हक़,प्रशांत कुमार और भारती सिंह सहित पूरी टीम आश्वस्त है अपनी उपयोगिता और ट्रेनिंग मॉडल से कामयाबी पाने के लिए

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,30 जुलाई। राजधानी देहरादून रविवार को ग्लैमर की दुनिया के बड़े सितारों से सराबोर रही।हिंदी,पंजाबी,हरियाणवी और हिमाचली भाषा के प्रसिद्ध अभिनेता, गायक,लेखक और म्यूजिक डायरेक्टर अमित कुमार के साथ साथ फेमिना मिस इंडिया उत्तराखंड/मिस इंडिया 2022 ऐश्वर्या बिष्ट और फर्स्ट रनर अप मिस इंडिया उत्तराखंड 2022 हिमानी रावत मुख्य अतिथि के रूप में द्वारका स्टोर के नजदीक न्यू रोड पर पहुंचे और श्रीजी प्लाजा में जावेद हबीब सैलून और एकेडमी का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

अभिनेता/गायक अमित कुमार ने अपने संबोधन में सेंटर संचालकों अब्दुल हक़,भारती सिंह और प्रशांत कुमार को बधाई देते हुए उम्मीद जाहिर की है कि ये लोग आम लोगो को ध्यान रखते हुए सस्ती और अच्छी ट्रेनिग देकर आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान देंगे और ग्लैमर की दुनिया को दक्ष फैशन आर्टिस्ट देंगे।फेमिना मिस इंडिया उत्तराखंड और मिस इंडिया उत्तराखंड 2022 ऐश्वर्या बिष्ट ने अपने संबोधन में मीडिया से खास तवज्जो चाही और युवाओं को फैशन की दुनिया में आगे आने का आह्वान किया,ऐश्वर्या बिष्ट ने जावेद हबीब सैलून और एकेडमी को वक्त की जरूरत बताया और अब्दुल,प्रशांत और भारती के इस प्रयास को उन्होंने काफ़ी सराहा,ऐश्वर्या बिष्ट ने सुंदरता के क्षेत्र में कैरियर में कामयाबी पाने की उम्मीद रखने वाले युवाओं को जावेद हबीब सैलून और एकेडमी में ट्रेनिंग लेने की भी सलाह दी।

मिस उत्तराखंड 2022 की फर्स्ट रनर अप हिमानी रावत ने अनुभवी मेकअप आर्टिस्ट अब्दुल हक़ के प्रयासों पर खुशी ज़ाहिर करते हुए सेंटर संचालकों से अनुरोध किया कि वो आम जनता की जेब के हिसाब से कम फीस और उम्दा ट्रेनिग के फार्मूले पर चलने की राह को अपनाए,हिमानी रावत ने ग्लैमर के क्षेत्र में उम्दा ट्रेनिग पर भी खास ज़ोर दिया।विशिष्ट अतिथि सिनमिट कम्युनिकेशन के डायरेक्टर दलीप सिंधी और राजीव मित्तल ने अब्दुल हक़ के अनुभव और संवेदनशीलता को इस ट्रेनिग सेंटर और सैलून की कामयाबी के लिए ज़रूरी बताया,उन्होंने भारती सिंह और प्रशांत के साथ साथ पूरी टीम को युवाओं के भरोसे पर खरा उतरने की सलाह दी और पूर्ण रूप से ईमानदार ट्रेनिग को धरातल पर उतारने पर भी ज़ोर दिया,दलीप सिंधी और राजीव मित्तल मिस उत्तराखंड और उत्तराखंड फैशन वॉक के सफल आयोजनों के लिए जाने जाते है और उत्तराखंड की युवतियों को उम्दा प्लेटफार्म उपलब्ध करा रहे है।जावेद हबीब सैलून और एकेडमी के मुख्य संचालक अब्दुल हक़ ने इसकी स्थापना के लिए अपने साझीदारों भारती सिंह और प्रशांत कुमार की इच्छाशक्ति की काफी प्रशंसा की और उनको बधाई दी। अब्दुल हक़ ने देहरादून की आम जनता को आश्वस्त किया है कि इस सेंटर की स्थापना से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान ज़रूर देंगे और आम जनता सस्ती और उम्दा ट्रेनिग का लाभ उठाने के साथ साथ सस्ती और उम्दा सेवाएं भी ले सकेंगी।

अमित कुमार का संक्षिप्त परिचय

सोशल मीडिया प्लेटफार्मस,यूट्यूब और एफएम चैनलो पर हंगामा मचाने वाले पंजाबी गीत गल्ला मिठिया और दूरियां से रातोंरात चर्चाओं में आने वाले अभिनेता और गायक अमित कुमार के गीतों ने युवा दिलों ख़ास जगह बना ली है मात्र 1 महीने में 5 करोड़ से ज्यादा व्यू पाने वाले गीत गल्ला मिठियां के बाद अमित कुमार के दूरियां ने बड़ा रिकॉर्ड बनाने की और अग्रसर है,दूरियां गीत ने मात्र 3 सप्ताह में 1 करोड़ व्यू का रास्ता विभिन्न प्लेटफार्म पर हासिल कर लिया है ,अहम बात ये है कि सिल्वर लाइन म्यूजिक के बैनर तले बने ये दोनो गीत यूट्यूब पर सिल्वर लाइन म्यूजिक चैनल पर प्रमुख रूप से जारी किए गए,जिसकी डायरेक्टर सोनी सिंह है जो दूरियां गीत में अमित कुमार के अपोजिट दिखाई दी है।